भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1942

02 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एम्स में एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान

1942. श्री वसंतराव बलवंतराव चव्हाण:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री सुधीर गुप्ता:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में आयुष-आईसीएमआर उन्नत एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र शुरू किया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उक्त केंद्र की मुख्य विशेषताएं क्या हैं;
(ग) क्या सरकार ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा आयुष मंत्रालय के बीच बड़ी संयुक्त पहल की भी घोषणा की है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इन केन्द्रों में किस प्रकार की आयुष स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी;
(ङ) क्या सरकार देश में स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक समान मानक, भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक (आईपीएचएस) प्रकाशित करती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) सरकार द्वारा अन्य क्या उपाय किए गए हैं ताकि आम जनता संपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल के लिए आयुष चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सके?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क), (ख), (ग) और (घ): जी हां, आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने आयुष मंत्रालय और आईसीएमआर के बीच स्वास्थ्य अनुसंधान पर सहयोग और सहभागिता बढ़ाने और विकसित करने के उद्देश्य से दिनांक 11.05.2023 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए ताकि-

क. एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए आयुष मंत्रालय और आईसीएमआर के बीच सहयोग, सामंजस्य और समन्वय के क्षेत्रों का पता लगाया जा सके।
ख. आयुष मंत्रालय और आईसीएमआर के बीच अनुसंधान क्षमता को सुदृढ़ किया जा सके।

समझौता ज्ञापन के अनुसार, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एकीकृत स्वास्थ्य में उन्नत अनुसंधान के लिए आयुष-आईसीएमआर केंद्रों की स्थापना करना। इन केंद्रों की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

- आयुष पद्धति को पारंपरिक जैव-चिकित्सा और आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ जोड़कर, एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान का गतिशील और जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना ताकि निदान, निवारक, स्वास्थ्य संवर्धन, स्वास्थ्य-लाभ के साथ-साथ उपचार विधियों से संबंधित नवाचारों के माध्यम से लोगों को एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल सेवा उपलब्ध कराई जा सके।
- मौजूदा मानव संसाधनों, अवसंरचना और उपलब्ध संसाधनों को चैनलाइज करके राष्ट्रीय महत्व के रोगों के लिए एकीकृत स्वास्थ्य दृष्टिकोणों को मुख्य धारा में लाने हेतु ठोस साक्ष्य सामने लाना।

(ङ): जी हां, सरकार ने दिनांक 04.03.2024 को आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) और आयुष अस्पतालों के लिए भारतीय जन-स्वास्थ्य मानक (आईपीएचएस) प्रकाशित किए। इन मानकों का उद्देश्य मानकीकृत ढांचा उपलब्ध कराकर सेवा प्रदायगी में मौजूदा कमियों को दूर करना है। इस ढांचे में न केवल आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं के भौतिक बुनियादी ढांचे को शामिल किया गया है, बल्कि प्रदान की गई देखभाल सेवा की गुणवत्ता, मानव संसाधनों की उपलब्धता से संबंधित मानक, क्षमता वर्धन, दवाएं,

निदान, उपकरण और अभिशासन आदि भी शामिल हैं, जो पूरे देश में स्वास्थ्य सेवा वितरण के उच्चतम मानकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं।

(च): i. सरकार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्र प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रही है और एनएएम दिशानिर्देश के प्रावधानों के अनुसार, राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं के माध्यम से प्राप्त उनके प्रस्तावों के लिए उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है ताकि आम जनता आयुष चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सके।

ii. सरकार आयुष मंत्रालय के अंतर्गत पांच अनुसंधान परिषदों और बारह राष्ट्रीय संस्थानों के तहत स्थापित स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से आम जनता के लिए आयुष चिकित्सा सेवाएं भी प्रदान कर रही है। इसके अलावा, विभिन्न मंत्रालयों नामत: सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशालय (डीजीएएफएमएस) और महानिदेशालय, रक्षा संपदा (डीजीडीई), रक्षा मंत्रालय; रेल मंत्रालय; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से भी आयुष चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

*****